1021
16/2/13

विधान मंडल पुस्तकालय
शोध/संदर्भ ग्रंथ

खण्ड–2 संख्या–21

एकादश बिहार विधान–सभा वादवृत्त

(भाग–1 कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

सत्यमेव जयते

दिनांक : 27 जून, 1995 ई०

उपलब्धि बैंकों द्वारा उतनी नहीं दिलाई गयी है। इस आलोक में सरकार ने बहुत सारे कदम उठाये हैं जिस के बारे में मैंने कहा था, हर महीने की 30 तारीख को मुख्यमंत्री के स्तर पर रिव्यू होगा और 31 जुलाई से नियमित चालू होगा और हर प्रकार से प्रयत्नशील हैं कि जो बैंकों द्वारा क्रौप ऋण तय किया जाता है उसकी स्वीकृति हो और उसको विमुक्त किया जाये।

श्री सुशील कुमार मोदी : क्या यह बात सही है कि रीकवरी रेट बहुत खराब होने के कारण बैंकों ने पैसा देने से इंकार कर दिया है और 200 करोड़ लक्ष्य के विरूद्ध मात्र 29 करोड़ ही दिया गया है।

श्री मंगनी लाल मंडल : महोदय, बैंकों द्वारा भी इस ओर ध्यान आकृष्ट किया गया है। मुख्यमंत्री जी ने इस हाउस में घोषणा किया था, ऐलान किया था कि रिकवरी के लिए जो भी कार्रवाई करनी है, सरकार के स्तर पर की जायेगी, प्रयास किया जायेगा।

+2 शिक्षा को सुव्यवस्थित करना

***'क' 1207 श्री पशुपति नाथ सिंह** : क्या मंत्री, मानव संसाधन विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

1. क्या यह बात सही है कि 1 जनवरी 1984 से राज्य के 107 उच्च विद्यालयों में +2 की पढ़ाई की व्यवस्था की गयी है, और 1990 में सिर्फ चार (भौतिकी, रसायन, इतिहास एवं मैथिली) विषयों में व्याख्याताओं की बहाली कर पदस्थापित किया गया है, जिसके कारण सभी जगह +2 की पढ़ाई अव्यवस्थित रूप में चल रही;

2. यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर अंशत: स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार इसको व्यवस्थित करना चाहती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

जय प्रकाश नारायण यादव : 1. उत्तर अंशतः स्वीकारात्मक है। वस्तुतः प्रथम चरण में वित्तीय वर्ष 85-86 में 123 विद्यालयों को +2 में उत्क्रमित किया गया था बाद में राज्य से कुल 148 विद्यलयों मे +2 की पढ़ाई की व्यवस्था वर्ष 85-86 से किया गया है। प्रथम चरण में वर्ष 1989-90 में भौतिकी, रसायन मैथिली एवं इतिहास विषयों में +2 व्याख्याताओं की नियुक्ति कर पदस्थापित दिया गया है। अन्य विषयों की पढ़ाई की व्यवस्था तत्काल उस विद्यालय में पदस्थापित शिक्षकों से की जा रही है। गणित एक जीव विज्ञान के पद सृजित किये गये हैं। जिसपर नियुक्ति प्रक्रिया में है। अन्य विषयों के पद सृजन सरकार के विचाराधीन है।

2. कंडिका (1) में स्थिति स्पष्ट कर दिया गया है।

श्री पशुपति नाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, क्या यह बात सही है कि +2 में वैसे शिक्षकों से भी पढ़वाया जाता है जिसके लिए वे शिक्षक योग्यता नहीं रखते हैं ?

श्री जय प्रकाश नारायण यादव : अध्यक्ष महोदय +2 में जो 85 से 86 में विद्यालय लिये गये उसमें भौतिकी, रसायन, इतिहास एवं मैथिली के व्याख्याता हैं और जो अन्य विषयों के व्याख्याता हैं वे पढ़ाई लिखाई कर रहे हैं। इसमें हमारी परेशानी नहीं है लेकिन फिर भी हमने जीव विज्ञान और गणित के व्याख्याता की बात को गंभीरता से लिया है और हम पैनल बनाकर विद्यालय सेवा बोर्ड को भेजा है और कार्मिक विभाग से इसे क्लीयर करवा कर जल्द ही इस नियुक्ति की प्रक्रिया को पूरा करेंगे।

श्री पशुपति नाथ सिंह : महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहूँगा कि क्या +2 की जो पढ़ाई होती है बिहार में यह व्यवस्थित नहीं रहने के कारण सामर्थवान लोग बड़ी संख्या में बिहार से बाहर अपने बच्चों को पढ़ने के लिये भेज रहे हैं।

अध्यक्ष : यह तो अलग सवाल है। यह जेनरल है। इस पर दो घंटे की जो बहस होगी उसमें भी आप इसको आप उठा सकते हैं।

पाद-टिप्पणी : 'ख' 149 दिनांक 26 जून, 1995 को सदन द्वारा स्थगित ।

'क' 1207 दिनांक 20 जून, 1995 को सदन द्वारा स्थगित ।

अभियुक्तों की गिरफ्तारी

*''ख'' 1767. **श्री अब्दुल गफुर** : क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

1. क्या यह बात सही है कि दहेज हत्या से संबंधित पटना श्री कृष्णापुरी थाना कांड सं०-46/95, दिनांक-7 अप्रील, 1995 के अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभी तक नहीं हुई है;

2. क्या यह बात सही है कि मृतका की पी० एम० सी० एच० मे फर्जी भर्ती दिखाया गया है तथा जिस डाक्टर से मृत घोषित दिखाया गया है वे डाक्टर ड्यूटी पर नहीं थे;

3. यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार दोषी पदाधिकारियों पर कार्रवाई एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी कबतक करना चाहती है नहीं, तो क्यों?

श्री रघुनाथ झा : 1. स्वीकारात्मक है। इस संबंध में श्री कृष्णापुरी थाना कांड सं-46/95 दिनांक 7.4.95 धारा 302/498 ए/34 भा० द० वि० के अंतर्गत अंकित किया गया है जिसका